रैयती बिक्री 120000/- 0.05 पैसा सिमडेगा 764 1000Rs.

स्टाम्प 4800/-

1200=00
45=
1245/-

2.50
0.94
3=44
1248=44

04.10.04

§1§ लेख्यकारी :- श्री निरंजन एक्का पिता स्व0 रूबेन एक्का जाति उरांव पेशा खेती बारी निवास गांव गोभरा मरियम पुर थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा ----------- विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या -------343------/ 2004

§2§ लेख्यधारिणी :- श्रीमती शोभेन बाड़ा पति श्री इग्नासियुस बाड़ा जाति उरांव पेशा गृहिणी निवास गांव ठेठईटांगर कर्जीटाड़ थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा -भारतीय नागरिक - क्रेता।

शपथ-पत्र संख्या --------344--/ 2004

§3§ लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक हमेशा के लिए ।

§4§ मूल्य :- मो0 एक लाख बीस हजार रूपये अंके ।,20,000/- रूपये जिसका

1

1000 Rs.

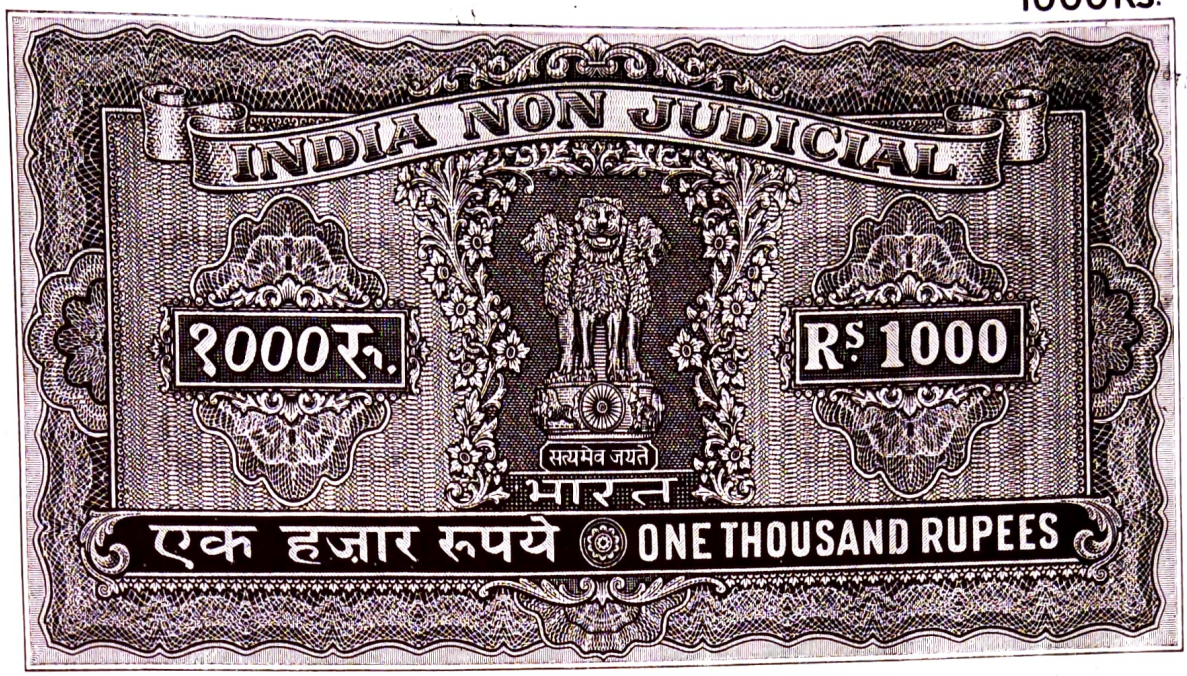

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

आधा मो० साठ हजार रुपये अंके 60,000/- रुपये होता है ।

§5§ सम्पति :- एराजियात 0.20 एकड़ § बीस डिसमिल § जमीन हकियत मय दखाली रैयती खारीदगी वजरिये निबंधित केवाला दस्तावेज संख्या 670/87 के अनुसार वाके मौजा गोतरा गड़राबहार थाना नं0 80 थाना सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के खाता नं0 222 प्लाट नं0 3030 रकबा 1.86½ एकड़ में से 0.20 एकड़ § बीस डिसमिल § जमीन टाड़ दर्जा तीन जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- इसी प्लाट पर छोड़ा गया रास्ता,

दक्षिण :- इसी प्लाट का अंश एलेन कुजूर,

पूरब :- परती नाला,

पश्चिम :- इसी प्लाट का अंश नीज विक्रेता ।

मालगुजारी सालाने 05 पैसा अलावे शेषा । वर्णित विक्रीत जमीन आवासीय है ।

§1§ चूँकि मुझे इस समय मकान बनाने वास्ते रुपये की अति आवश्यकता है, पर मैंने वर्णित जमीन का कुल मूल्य

4.10.04

4-10-2004

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

मो0 1,20,000/- रुपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारिणी के पास रैयती बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रह कर यह विक्रय-पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे ।

§2§ चूँकि हम दोनों पक्ष आदिवासी समुदाय के रैयत हैं अतः जमीन बिक्री हेतु परमीशन का आवेदन सी0एन0टी0एक्ट अन्दर दफा 46 का मुकदमा वाद संख्या 57/2004-05 श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार मोकाम सिमडेगा के न्यायालय में किया जिसकी स्वीकृति आदेश दिनांक 15-7-2004 ई0 को हुई । जिसका मेमो नं0 296§।।§ रेव0 दिनांक 15-7-2004 ई0 है ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन मेरी नीज खरीदगी है और सरकारी मालगुजारी की रसीद मेरे नाम से कटती है जिस पर मेरा निर्विवाद दखल वो कब्जा है । जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है । अब से उस पर सारा हक वो दखल कब्जा लेख्यधारिणी को हस्तान्तरित कर दिया अब से उस पर मेरा किसी प्रकार का दखल कब्जा वो अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

1000Rs.

(4) चाहिए कि लेख्यधारिणी वर्णित जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रह कर मकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीख लेख्य से दाखिल - खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से हासिल करें ।

लेख्यकारी के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्री दस्तावेज का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षों को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर सुना वो समझा दिया वो स्वयं भी पढ़ कर दस्तावेज स्वीकार किये ।

प्रारूप कर्त्ता,

महेश्वर [signature]
अधिवक्ता

तारीख - 4/10/04 50

निरंजन इक्का
4.10.04

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - निरंजन रक्षा
5.10.04

निरंजन रक्षा
5.10.04

100Rs.

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व धारित वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - श्रीमैन पाड़ा
4-10-04

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल 8 पृष्ठों में कुल 476 शब्द टंकित हैं जो खाण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक -

ह0/- नारायण दास 5/10/04

नारायण दास
कचहरी परिसर, सिमडेगा ।

सिमडेगा
5.10.04

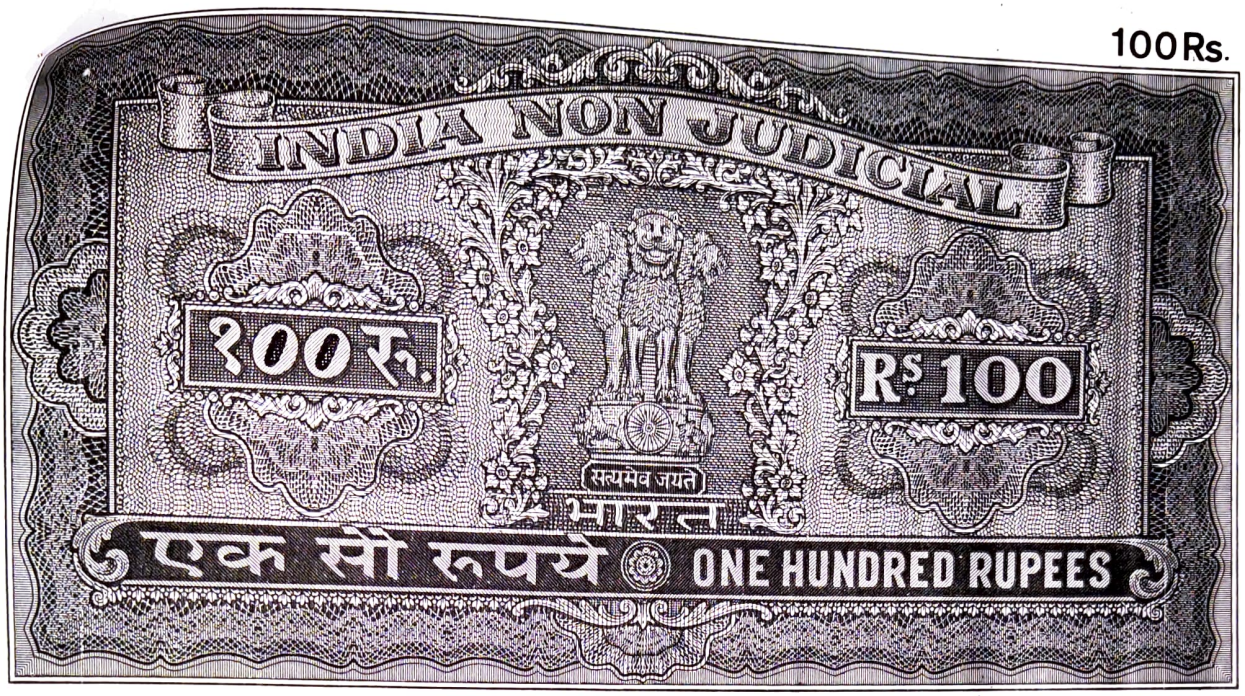

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं

द्वितीयक प्रति एक दूसरे के साथ हुबहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

सही - निरंजन एक्का
4.10.04

निरंजन एक्का
4.10.04